प्रिय अध्यापकगण,

जैसा कि हम सब जानते हैं कि हमारे विद्यालय ने प्रसिद्ध गीत "बोल के लब आज़ाद हैं तेरे" इस गीत को आत्मसात् कर लिया है इसी के चलते हिन्दी विभाग ने गत शुक्रवार **28** अप्रैल **2017** को नौवीं तथा दसवीं कक्षाओं के छात्रों के लिए अंतर्सदनीय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता का विद्यालय के सभागार में आयोजन किया। प्रतियोगिता का विषय था "हमारी पहचान वर्तमान से है अतीत से नहीं।" प्रत्येक सदन के एक प्रतिभागी ने पक्ष तथा एक प्रतिभागी ने विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्रों ने विषय के संदर्भ में खूब खोजबीन की ताकि वे तथ्यों की सत्यार्थता को स्पष्ट कर सकें, जिसमें वे पूर्णता सफल रहे।

परिणामस्वरूप, शेवरॉय सदन की सिमरन अरोड़ा ने प्रथम स्थान तथा अजन्ता सदन की सान्या सचदेवा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा सतपुरा सदन की रिया रावत तृतीय स्थान पर रहीं। सभी

प्रतिभागियों ने श्रोतागण एवं निर्णायक मंडल के प्रश्नों के उत्तर बेझिझक तथा बेबाक तरीके से दिए।

निर्णायक मंडल के सदस्य"प्रथम प्रकाशन" के अनुवादक थे तथा वे छात्रों को कहानी-लेखन व पठन के लिए प्रेरित करने श्रेष्ठ कार्य भी करते हैं। निर्णायक मंडल ने सभी छात्रों के श्रेष्ठ कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। हिन्दी विभाग सभी सदस्यों का हृदय से आभार प्रकट करता है।

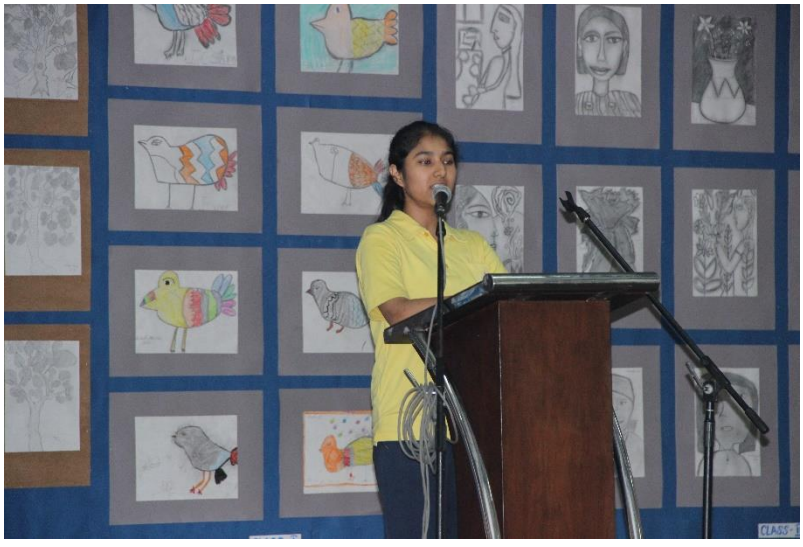

विशेष योगदान के लिए श्रीमती अर्चना अरोड़ा महोदया का हिन्दी विभाग सदा आभारी रहेगा, जिन्होंने कार्य के प्रति अपनी कर्तव्य भावना की एक अनूठी मिसाल प्रस्तुत की

है। उन्होंने फ्रांस में होने के बावजूद सभी प्रबंधों की जानकारी ली तथा हमारा उचित मार्गदर्शन किया।

राम भईया, दुर्गा भईया, राकेश महोदय, एरिका, अभिलाषा, शेफाली, वर्निका तथा माधुरी महोदया एवं छात्र नेतागण के विशेष योगदान के लिए हिन्दी विभाग सदा आभारी रहेगा। अंतत: हिन्दी विभाग विद्यालय के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का भी आभार प्रकट करता जिनके सानिध्य से यह प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संप्रन्न की जा सकी।

आभार

अर्चना कुलश्रेष्ठ

(हिन्दी विभागाध्यक्षा)